अंक–17 मार्च, 2017

नागरिका

मासिक ई–पत्रिका

नगर निगम, गोरखपुर

http://nagarnigamgkp.org

नागरिका

मासिक ई–पत्रिका

प्रधान सम्पादक

बद्री नाथ सिंह

नगर आयुक्त

सम्पादक

बृजेश सिंह

वित्त एवं लेखाधिकारी

सम्पादकीय

सलाहकार

राजीव कुशवाहा

सहायक लेखाधिकारी

गौतम गुप्ता

स्वच्छता प्रबन्धक

संकलन

सत्यम सिंह

कम्प्यूटर आपरेटर

पृष्ठ सज्जा

मनोज कु0 जायसवाल

''पहला कदम'', गोरखपुर

छायांकन

राजेश कुमार

छायाकार

नागरिका के सम्बन्ध में किसी प्रकार का सुझाव

nngkpnews@gmail.com

पर ई–मेल किया जा सकता है।

सम्पादकीय

आचार संहिता लागू होते ही यह सुनिश्चित किया जा है कि कोई भी नया कार्य प्रारम्भ न किया जाये तथा शत् प्रतिशित आदर्श आचार संहिता का पालन किया जाये। जनपद गोरखपुर राजनैतिक दृष्टिकोण से हमेंसा एक केन्द्र बिन्दु के रूप में रहा है। इसलिए यह स्वभाविक है कि चुनाव के दौरान वी0वी0आई0पी0 व अतिमहत्वपूर्ण व्यक्तियों का क्षेत्र में आना, चुनावी सभाओं का आयोजन तथा आवश्यक संसाधनों को सुदृढ़ रखना एक चुनौती से कम नहीं है। मार्च माह के प्रथम सप्ताह में वोटिंग होनी है और इस बार का चुनाव निष्पक्ष एवं पार्दशी कराने के लिये चुनाव आयोग कई सारे नये प्रयोग भी कर रहा है। इस बार इलेक्शन कमिशन ऑफ इंडिया की ओर से वी0वी0पी0ए0टी0 (वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रायल) मशीन का प्रयोग शहर विधान सभा क्षेत्र में किया जाना है। वी0वी0पी0ए0टी0 एक ऐसा उपकरण है, जिसके दो हिस्से है प्रिंटर एवं स्टेटस डिस्पले यूनिट, जो ईवीएम के साथ जोड़े जाते है। ये मतदाता को सुनिश्चित कराता है कि उसका वोट उसी उम्मीदवार को दर्ज हुआ है जिसे उसने अपना मत दिया है। जब कोई मत दर्ज किया जाता है, तो प्रिंटर से एक स्लिप पब्लिश होती है। इसमें उम्मीदवार का सीरियल नंबर, नाम और उसका चुनाव निशान भी प्रिंट होता है। यह स्लिप पैनल पर 07 सेकेंड के लिए डिस्प्ले होती है। इसके पश्चात् खुद ही कटकर वी0वी0पी0ए0टी0 ड्रॉप बॉक्स शील्ड में गिर जाता है। इसके अतिरिक्त वोटिंग परसेंटेज बढ़ाने के लिये चहुंओर मतदाताओं को जागरूक करनें के लिये कैपेनिंग, गोरखपुर विश्व विद्यालय में अधिकारियों कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन तथा मतदान स्थलों की साफ सफाई की व्यवस्था आदि अनेक कार्यों में नगर निगम के कर्मचारी अपना सक्रिय रूप से योगदान दे रहें है।

सातवां वेतन आयोग के उत्तर प्रदेश में लागू होना निश्चित तौर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये हर्ष का विषय है। नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों के वेतन, एरियर का निर्धारण कार्य ससमय पूर्ण कराया जाना महत्वपूर्ण कार्य है। इस हेतु लेखाविभाग एवं अन्य समस्त विभागों के विभागाध्यक्षओं को आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिया गया है। सातवां वेतन आयोग लागू होने से निगम के कोष पर पड़ने वाला अतिरिक्त भार आने वाले वित्तीय वर्ष के लिये एक बड़ी चुनौती होगी।

अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें .....शुभकामनाओं सहित

नगर आयुक्त,
नगर निगम, गोरखपुर

नगर निगम, गोरखपुर मार्ग प्रकाश कर्मचारी संघ के चुनाव सम्पन्न होने के उपरान्त निर्वाचित सदस्यों के साथ नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मु0 आरिफ़ सिद्दीक़ी व कर्मचारीगण।

नगर निगम, गोरखपुर द्वारा महानगर के अन्तर्गत नालो की युद्ध स्तर पर सफाई करते हुए कर्मचारीगण।

विधान सभा चुनाव 2017 के सफल संचालन हेतु गोरखपुर विश्व विद्यालय को प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य कार्यो को पूर्ण किये जाने हेतु आरक्षित किया गया जिसमें साफ सफाई की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु नगर निगम को नामित किया गया।

विश्व विद्यालय में साफ सफाई करता कर्मचारी.....

स्वच्छता क्यों और कैसे.....

विगत् कुछ वर्षों से स्वच्छता के विषय में देश में कुछ लोगो ने ध्यान देना प्रारम्भ किया है पर अभी भी अधिकांश व्यक्ति इस विषय पर ज्यादा सचेत नहीं है। यदि आप का शरीर साफ सुथरा व स्वस्थ है तो उसमें निश्चित रूप से निर्मल व पवित्र विचार रहेगें और इस प्रकार आपकी आत्मा भी विशुद्ध होती जाएगी। स्वच्छता जीवन का वह गुण है, जो व्यक्ति को अधिक समय तक जीवित रहने, सुखी रहने तथा सर्वोत्तम प्रकार से सेवा करने योग्य बनाता है।

भगवान के प्रेम के बाद महत्व की दृष्टि से दूसरा स्थान स्वच्छता के प्रेम का ही है। जिस तरह हमारा मन मलिन हो तो हम भगवान् का प्रेम नहीं पा सकते, उसी तरह हमारा शरीर मलिन हो तो भी हम उसका आर्शीवाद नहीं पा सकते। और यदि हमारे आस पास का वातावरण, क्षेत्र व जिस शहर में हम निवास करतें है यदि वह ही हमनें मैला कर रखा है तो हम अपने और अपनों को कैसे स्वच्छ रख पायेंगें।

अगर गंदगी व कूड़े का उचित प्रकार से उपयोग किया जाए, तो हमें लाखों रूपयों की कीमत का खाद मिलें और साथ ही कितनी ही बीमारियों से मुक्ति मिल जाएँ। अपनी गंदी आदतों से हम अपनी पवित्र नदियों के किनारे बिगाड़ते है और मक्खियों को पैदाइश के लिए बढ़िया जमीन तैयार करते है। परिणाम यह होता है कि हमारी दंडनीय लापरवाही के कारण जो मक्खियाँ खुले मैले पर बैठती है वे ही हमारे नहाने के बाद हमारे शरीर व भोजन पर बैठती है और उसें गंदा बनाती है।

खुले में शौच करना, गंदगी फैलाना, कूड़े का निस्तारण उचित प्रकार से न करना, सड़क पर थूकना ईश्वर और मानव जाति के खिलाफ अपराध है। जो मनुष्य अपनी गंदगी को ढ़कता नहीं है, वह भारी सजा का पात्र है। इसलिए अब समय आ गया है स्वच्छता विषय पर सोचने का नहीं ठोष कार्य करने का.....

गौतम गुप्ता
स्वच्छता प्रबन्धक